दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 13 ग्वालियर, सोमवार, 13 जनवरी 2020 पृष्ठः 08-मूल्य 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

सात फेरों से पहले कुंडली मिलान का चलन हुआ पुराना, दूल्हा-दुल्हन करा रहे हैं टेस्ट

बरेली। सात फेरे लेने से पहले कुंडली का मिलान की परंपरा पुरानी है। अब युवा नए ट्रेंड से जीवनसाथी को परख रहे हैं। यह ट्रेंड है पर्सनालिटी टेस्ट मैच। हमसफर बनने से पहले युवा अब होने वाले जीवनसाथी का दिलोदिमाग पढ़ रहे हैं। भावी जीवनसाथी क्या सोचता है। निर्णय लेने की क्षमता कैसी है और भावनात्मक स्तर पर कितना मजबूत-कमजोर है, इसका मिलान करा रहे हैं। यह नया चलन आमतौर पर परिवार की मर्जी से तय होने वाले रिश्ते में देखने को मिल रहा है। ऐसे मामले, जहां भावी जीवनसाथी एक-दूसरे से बिलकुल अपरिचित होते हैं। आमतौर पर पारिवारिक शादियों में बड़े-बुजुर्ग कुंडली का मिलान करने के बाद रिश्ते के लिए तैयार हो जाते हैं। ऑनलाइन रिश्ते तय होने का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे रिश्तों में सबसे बड़ी परेशानी होती है। भावी दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे को नहीं जानता। इन्हीं मामलों में पर्सनालिटी टेस्ट मैच कराने का ट्रेंड शुरू हुआ है। इसके जरिये युवा यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि भावी जीवनसाथी के साथ उनका व्यक्तित्व कितना मिल रहा है और वैचारिक स्तर पर उनमें कितनी समानता है। युवाओं की यह नई सोच, नया ट्रेंड लगातार बढ़ता जा रहा है और जिला अस्पताल के मन कक्ष में अब तक 16 जोड़े खुद का पर्सनालिटी टेस्ट मिलान करा चुके हैं।

ऐसे होता है पर्सनालिटी टेस्ट मैच

एमएमपीआई– मिन्नेसोटा मल्टीफेसिक पर्सनालिटी इंवेटरी कहा जाता है। इसमें किसी व्यक्ति के बारे में कई तरह से जानकारी जुटाई जाती है। किसी विषय पर उसकी क्या राय है, वह सहमत है या नहीं। किसी मुद्दे पर उसका क्या नजरिया है, इसकी जानकारी इस टेस्ट से होती है।

झोलाछाप ने निकाली गांठ, आंख खराब, दिमाग तक पहुंचा कैंसर

गोरखपुर। नीम हकीम खतरे जान की पुरानी कहावत एक बार फिर सच साबित हुई। आंख के नीचे निकली छोटी सी गांठ का झोलाछाप से ऑपरेशन कराने के बाद बेतिया की एक महिला की जान खतरे में पड़ गई है। ऑपरेशन के बाद आंख तो खराब हुई ही और कैंसर की हड्डियों तक गंभीर स्थिति में पहुंच गया। छोटी सी गांठ अब आंख की जगह पर मांस के लोथड़े की शक्ल ले चुकी है। परिवार के लोग शहर के पोद्दार कैंसर अस्पताल इलाज करा रहे हैं। यह मामला उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का है। छह महीने पहले बिहार के बेतिया जिले की रहने वाली 40 वर्षीया शारदा देवी की बायीं आंख के पास एक गांठ निकली। पति गोपीनाथ इलाज के लिए शारदा को लेकर गांव के ही झोलाछाप के पास पहुंचे। झोलाछाप ने ऑपरेशन किया और दवाएं दीं। इस इलाज के बाद गांठ ठीक होने के बजाए बढ़ने लगी। हालांकि इसके बाद भी शारदा के परिजन झोलाछाप से इलाज कराते रहे और मर्ज बढ़ता गया। गांठ मांस के लोथड़े में तब्दील हो गई और महिला की हालत बिगड़ती गई। तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी तो परिजन शारदा को इलाज के लिए लेकर पहले बेतिया, फिर पटना पहुंचे। पटना के डॉक्टरों ने बनारस स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल रेफर किया गया। टाटा मेमोरियल अस्पताल में इलाज में काफी खर्च के बाद परिजन शारदा को लेकर गोरखपुर के हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल पहुंचे। यहां आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज किया जा रहा है।

अमित शाह ने CAA पर कहा, इन सभी प्रताड़ित लोगों को नागरिकता देकर ही हम दम लेंगे

जबलपुर (मध्यप्रदेश)। केंद्रीय गृहमंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) का विरोध कर रहे कांग्रेस सहित विपक्षी दलों को चुनौती देते हुए रविवार को कहा कि उनको जितना विरोध करना है करें, लेकिन हम पाकिस्तान, बंग्लादेश एवं अफगानिस्तान से आए हुए इन सभी प्रताड़ित शरणार्थियों को नागरिकता देकर ही हम दम लेंगे। सीएए पर भाजपा के देशव्यापी जनजागरण अभियान के अंतर्गत जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड पर आमसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, सीएए पर भाजपा जनजागरण चला रही है। क्या है सीएए? यह जानजागरण क्यों चलाना पड़ रहा है?

उन्होंने जनता से पूछा, मुझे बताओ इनको नागरिकता देनी चाहिए या नहीं देनी चाहिए? इस पर वहां मौजूद जनता ने कहा, हां, देनी चाहिए।

शाह ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कानून का विरोध कर रहे दलों पर तंज कसते हुए कहा, यह (सीएए पर जनजागरण अभियान) हमें इसलिए चलाना पड़ रहा है क्योंकि कांग्रेस पार्टी, राहुल बाबा एंड कंपनी, कम्युनिस्ट, (दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद) केजरीवाल, (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी ये सारी पार्टियां इकट्ठा होकर देश को गुमराह कर रहे हैं कि सीएए ने देश के अल्पसंख्यक भाइयों की, मुसलमानों की नागरिकता छीन ली है। इसके बाद शाह ने कहा, मैं डंके की चोट पर कह रहा हूं। कांग्रेस वालो कान खोलकर सुन लो, जितना विरोध करना है वो करो। इन सारे लोगों को नागरिकता देकर ही हम दम लेंगे। उन्होंने कहा, भारत पर जितना हक मेरा व आप लोगों का है उतना ही हक पाकिस्तान से आए हुए (पीड़ित) हिन्दू, सिख, बौद्ध, ईसाई का है। वो भारत के बेटे हैं, भारत की बेटी हैं। भारत देश उनको गले लगाकर सम्मान देगा। शाह ने ममता बनर्जी एवं राहुल को चुनौती देते हुए कहा कि सीएए में कहीं भी किसी की नागरिकता छीनने का प्रावधान है, तो बता दीजिए। उन्होंने आगे कहा, इसमें नागरिकता देने का प्रावधान है।

दिग्विजय सिंह के भाई ने

सीएए को लेकर दिया बयान, कांग्रेस मुश्किल में

भोपाल। कांग्रेस नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध कर रही है, मगर मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह के भाई समेत दो कांग्रेस विधायकों के बयानों ने इस मुद्दे पर पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। राज्य के दो कांग्रेस विधायकों ने अपने-अपने तरह से सीएए का समर्थन किया है। मंदसौर जिले के सुवासरा से विधायक हरदीप सिंह डंग ने कहा है, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि देशों के दुखी लोगों को भारत में सुविधा मिलती है तो उसमें बुराई क्या है। उन्होंने सीएए और एनआरसी को अलग-अलग देखने की बात कही है। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई और विधायक लक्ष्मण सिंह ने भी सीएए पर राजनीति बंद करने की सलाह देते हुए ट्वीट किया, नागरिकता कानून की राजनीति बंद करो। अब तो

मुसलमान भी कह रहे हैं कि बंद करो। वे कह रहे हैं कि हमारे रोजगार की व्यवस्था करो। रस्सी को ज्यादा खींचने से वह टूट जाती है। लक्ष्मण सिंह इससे पहले भी दिसंबर माह में सीएए का समर्थन करते हुए ट्वीट कर चुके हैं, राष्ट्रीय नागरिकता कानून संसद में पारित हो चुका है। सभी दलों ने अपने विचार व्यक्त कर दिए हैं। इस विषय पर ज्यादा टिप्पणी, बयान व्यर्थ हैं। इसे स्वीकार करो और आगे बढ़ो। आपको बता दें कि कांग्रेस हाईकमान से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री कमलनाथ खुले तौर पर सीएए का विरोध कर रहे हैं। कमलनाथ ने तो इसे राज्य में लागू न करने का ऐलान कर दिया है। इस बीच दो विधायकों का परोक्ष रूप से सीएए के समर्थन में आए बयानों ने कांग्रेस के सामने समस्या खड़ी कर दी है।

146 राष्ट्रों की तरह भारत मे भी बंद हो फांसी: मेधा पाटेकर

अलीगढ़। सामाजिक कार्यकत्री मेधा पाटेकर रविवार को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पहुंची। उन्होंने 15 दिसम्बर को कैम्पस में हुए बवाल की निंदा की। बवाल के दौरान पुलिस ने जिस होस्टल में घुसकर आंसू गैस के गोले छोडे थे, उस होस्टल में पहुंचकर छात्रो से बातचीत कर हाल जाना। जेएन मेडिकल कॉलेज के वार्ड में पहुंचकर बवाल के दौरान घायल हुए छात्र तारिक से बातचीत की और उसकी हिम्मत की सराहना की। मेधा पाटेकर ने ट्रामा सेंटर में आयोजित कार्य्रकम में विचार रखे। कहा कि देश गलत दिशा में जा रहा है। इसको बचाने के लिए युवाओं का एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने निर्भया के दोषियों को फांसी की भी निंदा की।

नए सुखोई-30 दस्ते से बढ़ेगी भारतीय वायुसेना की ताकत

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने शनिवार (11 जनवरी) को बताया कि तमिलनाडु के थंजावुर में सुखोई-30 लड़ाकू विमान उड़ाने में माहिर एक नया दस्ता तैयार किया जा रहा है। यह दस्ता भारतीय वायुसेना की संचलात्मक शक्ति में भारी इजाफा करेगा। बकौल भदौरिया, 'थंजावुर में हम एक नया सुखोई-30 दस्ता बना रहे हैं, जिसकी मुख्यतः नौसैनिक अभियानों में भूमिका रहेगी। यह दस्ता वायुसेना की दक्षिणी कमान का हिस्सा होगा। संचलात्मक क्षमता के लिहाज से इससे भारतीय वायुसेना की ताकत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं दूसरी ओर, आईएनएस विक्रमादित्य पर तेजस लड़ाकू विमान की लैंडिंग के साथ ही भारत जंगी जहाज पर उतरने में सक्षम विमान तैयार करने वाला दुनिया का छठा देश बन गया है। उससे पहले अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन यह उपलब्धि दर्ज कर चुके हैं।

8 सेकेंड में जमींदोज हो गई 17 मंजिला इमारत

नई दिल्ली। केरल के कोच्चि में अवैध रूप से निर्मित चार इमारतों के खिलाफ कुछ महीने पहले आए उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अमल करते हुए इनमें से आखिरी इमारत को भी रविवार को नियंत्रित विस्फोट कर गिरा दिया गया। इसके साथ ही झीलों के किनारे स्थित ऊंची इमारतों को ध्वस्त करने की मुहिम पूरी हो गई। 55 मीटर ऊंची गोल्डन कायालोरम का निर्माण तटीय नियमन क्षेत्र के प्रावधानों का उल्लंघन कर किया गया था। यह इमारत चारों अवैध अपार्टमेंट में सबसे छोटी थी जिसे दोपहर करीब ढाई बजे ध्वस्त किया गया। जैन कोरल कोव की ऊंचाई भी 55 मीटर थी, जिसे सुबह 11 बजकर तीन मिनट पर ध्वस्त किया गया। शनिवार को दो इमारतों एच2ओ होली फेथ और अल्फा सिरीन के ट्विन टावरों को ध्वस्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में इन इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश देते हुए कहा था कि इन चारों इमारतों का निर्माण तटीय नियमन क्षेत्र के प्रावधानों का उल्लंघन कर किया गया था।

जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष का नया ऐलान, रजिस्ट्रेशन करेंगे लेकिन नहीं देंगे हास्टल की बढ़ी हुई फीस

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में हुई हिंसा के मामले में जेएनयूएसयू अध्यक्ष सहित अन्य छात्रों का नाम आने पर जेएनयू छात्र संघ ने शनिवार को कैंपस में प्रेसवार्ता की। इस प्रेसवार्ता में छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष ने कहा कि हम सबने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में हिस्सा लेने व केवल उसी का शुल्क अदा करने का निर्णय लिया है। हम हास्टल की बढ़ी हुई फीस नहीं जमा करेंगे। इसके अलावा जब तक कुलपति को नहीं हटाया जाता हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

सीएए को लेकर ममता बनर्जी, राहुल गांधी को दी चुनौती : अमित शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह आज जबलपुर पहुंचे हुए थे। जहां उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि ष्ट पर भाजपा एक जन जागरण अभियान चला रही है। ये जन जागरण अभियान भाजपा इसलिए चला रही है क्योंकि कांग्रेस पार्टी, केजरीवाल, ममता बनर्जी, कम्यूनिस्ट ये सभी इकट्ठा होकर देश को गुमराह कर रहे हैं। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कि मैं इन लोगों से कहता हूं कि ये सीएए में ऐसा एक भी प्रावधान बता दें जो इस देश के किसी भी नागरिक की नागरिकता ले सकता है। उन्होंने कहा कि आज मैं बताने आया हूं कि ष्ट में कहीं पर भी किसी की नागरिकता छीनने का प्रावधान नहीं है, इसमें नागरिकता देने का प्रावधान है। जब देश का बंटवारा हुआ और कांग्रेस पार्टी ने देश का बंटवारा धर्म के आधार पर किया। बंटवारे के समय पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइ को भारत आना था, मगर उस समय स्थिति सही नहीं होने के कारण वहां वो रह गए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के सभी नेताओं ने आश्वासन दिया कि आप अभी वहां रह जाइए और आप जब भी कभी भारत आएंगे तो आपका स्वागत किया जाएगा, भारत आपको नागरिकता देगा। 2 जुलाई 1947 को महात्मा गांधी जी ने कहा- जिन लोगों को पाकिस्तान से भगाया गया, जो पाकिस्तान में रह गए हैं उनको पता होना चाहिए कि वो भारत के नागरिक थें, जब भी भारत में आना चाहते हैं भारत उनको नागरिकता देगा।

पत्नी की हत्या में 6 माह से जेल में बंद था पति, अब महिला जिंदा निकली

सुपौल। बिहार में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। अपनी पत्नी की हत्या में एक शख्स छह महीने से जेल में बंद था, अब वह महिला जिंदा मिल गई है। इस खबर के सामने आते ही हड़कंप मच गया है। वहीं पुलिस पर लोग सवाल भी उठा रहे हैं। वहीं जब महिला की जिंदा होने की सूचना कोर्ट को मिली तो कोर्ट ने हत्या मामले में जेल में बंद पति और ससुराल के अन्य लोगों को बरी कर दिया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस पर तीखी टिप्पणी भी की। कोर्ट ने पुलिस की कार्यशैली को हास्यासपद और कानून की नजर में मजाक बताया। कोर्ट ने पुलिस की इस कृत्य को काला धब्बा करार दिया। मामला सदर थाना कांड सं. 310/18 और सत्रवाद संख्या 212/18 से जुड़ा हुआ है।

केन्द्रीय मंत्री सजीव बालियान क्यों बोले-

चुनाव नहीं लड़ पाएंगे अखिलेश यादव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने कहा है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव अगर राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) प्रक्रिया का पालन नहीं करते हैं तो वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा था कि वह एनपीआर के फॉर्म नहीं भरकर एनपीआर को चुनौती देंगे। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के लिए समर्थन लेने यहां आए बालियान ने कहा, एनपीआर के बारे में झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। भारत क्या धर्मशाला है, जहां आने-जाने और रहने की इच्छा रखने वालों का कोई आंकड़ा न हो? क्या समस्या है? अखिलेश यादव कहते हैं कि वह एनपीआर के लिए नामांकन नहीं करेंगे। विपक्ष के अन्य नेता भी यही दावा कर रहे हैं। अगर आपने पंजीकरण नहीं कराया तो आपको चुनाव नहीं लड़ने दिया जाएगा।

मंत्री ने आगे कहा, मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) और योगी (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ)

राज में कानून का राज है। संकट पैदा करने वालों से उसी प्रकार निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार सपा की सरकार नहीं आएगी, क्योंकि उन्होंने 2013 में मुजफ्फरनगर दंगे और 2014-15 में सहारनपुर दंगे कराए। उन्होंने कहा, अराजकता पैदा करने वाले व्यक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। इससे पहले मुजफ्फरनगर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक विक्रम सैनी के एक बयान से विवाद पैदा हो गया था, जब उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान को भी ऐसे कानून बनाकर भारत में खुद को सताया हुआ महसूस करने वाले मुसलमानों को नागरिकता देनी चाहिए। सैनी ने कहा था, सीएए और एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) देश के हित में हैं। पाकिस्तान में हिंदू और सिख कई दशकों से अत्याचार सह रहे हैं, और हम उन्हें आश्रय दे रहे हैं। मैं कहना चाहूंगा कि पाकिस्तान को भी मुस्लिमों के लिए ऐसा कानून बनाना चाहिए।

पाक के पूर्व एयर चीफ मार्शल की बेगम की अरबों की जायदाद का क्या होगा अब

रामपुर। रामपुर के आखिरी नवाब रजा अली खां की बेटी और पाकिस्तान के पूर्व एयर चीफ मार्शल अब्दुल रहीम खां की बेगम मेहरुन्निशा की करोड़ों की प्रॉपर्टी शत्रु संपत्ति घोषित होगी। वह पाक नागरिकता ले चुकी हैं लिहाजा, उनकी संपत्ति कस्टोडियन अभिरक्षा में दी जाएगी। रामपुर में नवाब खानदान की अरबों रुपये की संपत्ति है। इसे लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया।

40 साल के बेटे ने मां से मांगा डेढ़ करोड़ रुपये का मुआवजा

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट में 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने याचिका दायर कर दो साल की उम्र में उसे मुंबई में अकेला छोड़ देने तथा बाद में बेटे के तौर पर अपनाने से इंकार करने के लिए अपनी जैविक मां से डेढ़ करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। पेशे से मेकअप आर्टिस्ट, याचिकाकर्ता श्रीकांत सबनिस ने कहा कि जानबूझ कर अनजाने शहर में छोड़ दिए जाने के चलते उसका जीवन पूरी तरह कष्ट एवं मानसिक प्रताड़ना में बीता जिसके लिए उसकी मां आरती महासकर और उसके दूसरे पति (सबनिस के सौतेले पिता) को हर्जाना देना होगा।

याचिका के मुताबिक आरती महासकर की पहली शादी दीपक सबनिस से हुई थी और

फरवरी 1979 श्रीकांत का जन्म हुआ था जब दोनों पुणे में रहते थे। इसमें कहा गया कि महिला बेहद महत्वाकांक्षी थी और फिल्म उद्योग में काम करने के लिए मुंबई आना चाहती थी। सितंबर 1981 में उसने बच्चे को साथ लिया और मुंबई के लिए रवाना हो गई। याचिका में आरोप लगाया गया कि मुंबई पहुंचने के बाद, महिला ने बच्चे को एक ट्रेन में छोड़ दिया और वहां से चली गई। साथ ही इसमें कहा गया कि रेलवे के एक अधिकारी ने बच्चे को एक बाल गृह में भेज दिया। याचिका में हाईकोर्ट से श्रीकांत सबनिस की मां को निर्देश देने का अनुरोध किया गया कि वह स्वीकार करे कि सबनिस उसका बेटा है और उसने दो साल की उम्र में उसे अकेला छोड़ दिया था। इस याचिका पर न्यायमूर्ति ए के मेनन 13 जनवरी को सुनवाई करेंगे।

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों में, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालय: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इनक्लेव गुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर

संपर्क: 7999246560, 8269307478

Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

सम्पादकीय

साइबर युग का हक

फैसला भले ही एक क्षेत्र विशेष के संदर्भ में हुआ हो, लेकिन इसका प्रभाव अखिल भारतीय होगा और लंबे समय तक याद किया जाएगा। खासकर अदालत ने जिस तरह इंटरनेट को अभिव्यक्ति की आजादी का एक अंग ठहराया है, वह कई तरह से स्वागत योग्य है। इसलिए भी कि अब प्रशासन का मनमाने ढंग से हर मौके-बेमौके पर इंटरनेट सेवा को बाधित करने का अधिकार खत्म होगा और इसलिए भी कि इससे मूल अधिकारों को नई तकनीक या नए दौर की जरूरतों से जोड़कर देखने का चलन शुरू होगा। यह संयुक्त राष्ट्र की उस सलाह के भी मुताबिक है, जिसमें कहा गया है कि हर देश से सिफारिश की गई है कि वह इंटरनेट सेवा पाने के नागरिकों के अधिकार को मूल अधिकार का दर्जा दे। जम्मू-कश्मीर में धारा-144 के तहत लगाई गई पाबंदियों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला जहां इस केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को राहत देता है, वहीं यह केंद्र सरकार के सामने नई चुनौती पेश करेगा। अदालत का कहना है कि सुरक्षा के नाम पर लोगों को लंबे समय तक उनके अधिकारों से वंचित नहीं रखा जा सकता। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त को कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 को खत्म करने की घोषणा की थी और विरोध की आशंकाओं को देखते हुए उसी समय से वहां भारी पाबंदियां लगा दी थीं। शुरू में तो टेलीफोन सेवाओं पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई थी। बाद में कई पाबंदियां तो हटा दी गईं, लेकिन इंटरनेट सेवाओं पर लगी पाबंदी पिछले 154 दिन से लगातार जारी रही है। वहां लोगों को कैसी और कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसकी खबरें हम लगातार पढ़ रहे हैं। इंटरनेट सेवाओं के बिना आज के जीवन की कल्पना मुमकिन नहीं है। इसे बाधित करने का अर्थ है, लोगों को फिर से उसी पुराने दौर में पहुंचा देना, जो आज की जरूरतों के लिहाज से निरर्थक हो चुका है। आज बहुत सारे कारोबार, बहुत सारी सेवाएं, बहुत सारे लेन-देन और बहुत सारी दिनचर्या इंटरनेट पर आधारित हो चुकी है। इंटरनेट बंद होने का अर्थ है, इन सबका बंद हो जाना। इंटरनेट सेवाओं के बाधित होने का क्या अर्थ होता है, इसका स्वाद पिछले दिनों बाकी भारत के कई हिस्सों को भी चखने को मिला, जब नागरिकता संशोधन कानून के बाद हुए आंदोलन के दौरान या उसकी आशंका में अनेक जगहों पर इंटरनेट सेवा को बाधित कर दिया गया था। कुछ लोगों ने यह भी आकलन करने की कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट के बाधित होने से राज्य के कारोबारियों को कितने का नुकसान हुआ? अब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को एक सप्ताह के भीतर समीक्षा करने का निर्देश दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इसके बाद सब कुछ फिर पटरी पर आ जाएगा। बेशक, यह आशंका रहेगी कि इंटरनेट सेवा शुरू हुई, तो इसका फायदा उठाने की कोशिश असामाजिक तत्व, अलगाववादी और आतंकवादी भी करेंगे। यह आशंका हमेशा ही रहती है, कुछ हद तक सभी जगह रहती है। सरकार की चुनौती इन्हीं आशंकाओं के बीच लोगों को सुरक्षा और साथ ही इंटरनेट सेवा का अधिकार देने की है। इंटरनेट सेवा को बाधित करके सरकारें दरअसल अपनी इसी चुनौती को कम करने की कोशिश करती हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद प्रशासन के कामकाज की इसी शैली पर लगाम लगेगी।

आंदोलनों की आहटें और अर्थ

शशि शेखर

सबसे पहले तो देश के उन हजारों नवयुवकों और नवयुवतियों को बधाई, जिन्होंने सड़कों पर उतरकर साबित कर दिया है कि भारत जिंदा मुल्क है। यहां सहमति और असहमति के बीच वह द्वंद्व कायम है, जो लोकतंत्र के स्वस्थ होने की पहली निशानी है। ये सहमतियां और असहमतियां साथ चलें, तो कोई बुराई नहीं, पर अगर वे विग्रह के अनंत मकड़जाल में फंस जाएं, तो अनर्थ हो सकता है।

मौजूदा छात्र आंदोलन, असहमति और आक्रोश का सम्मान करते हुए भी मैं आग्रह करना चाहूंगा कि वे किसी भी तरह से अपने भविष्य को चौपट न होने दें। जरा सोचें, अगर हमारे गुस्साए नौजवान कक्षाओं में नहीं शामिल होंगे, इम्तिहान नहीं होने देंगे, तो यकीनन वे अपने साथ-साथ देश के भविष्य से भी इंसाफ नहीं कर रहे होंगे। यहां आती हुई इस जोशीली पीढ़ी को अतीत की कुछ अनहोनियों से रू-ब-रू कराना जरूरी है। बात 1967 की है। राम मनोहर लोहिया का 'अंग्रेजी हटाओ' का नारा अपने पूरे उबाल पर था। वे भारतीय गणराज्य के भावुक दिन थे। आजादी मिले कुल जमा बीस बरस हुए थे और हमारे देश के नौजवान कभी सोवियत संघ, कभी जर्मनी, कभी फ्रांस, तो कभी अमेरिका से प्रभावित होते थे। उन दिनों यह जुमला आम था कि हमें अंग्रेजों के बाद उनकी भाषा की गुलामी करने की कोई जरूरत नहीं। अंग्रेजी के बिना यूरोप के तमाम देश तरक्की की सीढ़ियां चढ़ सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? उनके इस आह्वान पर हिंदी पट्टी के हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए थे। मुझे याद है, इलाहाबाद में सिविल लाइन्स की दुकानों पर अंग्रेजी के जो बोर्ड लगे थे, उन्हें रातोंरात पोत दिया गया। घरों के बाहर लगी नाम पट्टिकाएं काली कर दी गईं। जिन गृहस्वामियोंके नाम पत्थर पर खुदे हुए थे, उन पत्थरों को तोड़ने के प्रयास में घरों के दरवाजे अथवा मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त कर दिए गए।

हमारी पीढ़ी के लोग उस समय प्राइमरी कक्षाओं में थे। खरामा-खरामा बोध ग्रहण करने की उस नाजुक अवस्था में हमने पाया कि हमारे अभिभावक भी उसी रंग में सराबोर हैं। नतीजतन, हमारी पीढ़ी के लोगों को आगे चलकर अपने ही देश में अंग्रेजी के अल्पज्ञान का नुकसान उठाना पड़ा। कमाल यह कि 'गैर कांग्रेसवाद' के नारे के जरिए पहली बार सात प्रदेशों से कांग्रेस की हुकूमत उखाड़ फेंकने वाले लोहिया और उनके सहयोगी तमिलनाडु का छात्र आंदोलन भूल गए थे।

हमारी पीढ़ी के लोग उस समय प्राइमरी कक्षाओं में थे। खरामा-खरामा बोध ग्रहण करने की उस नाजुक अवस्था में हमने पाया कि हमारे अभिभावक भी उसी रंग में सराबोर हैं। नतीजतन, हमारी पीढ़ी के लोगों को आगे चलकर अपने ही देश में अंग्रेजी के अल्पज्ञान का नुकसान उठाना पड़ा। कमाल यह कि 'गैर कांग्रेसवाद' के नारे के जरिए पहली बार सात प्रदेशों से कांग्रेस की हुकूमत उखाड़ फेंकने वाले लोहिया और उनके सहयोगी तमिलनाडु का छात्र आंदोलन भूल गए थे। क्यों? महज दो साल पहले 1965 में तमिलनाडु में 'ऑफिशियल लैंग्वेज ऐक्ट-1963' लागू किया गया था, उस पर सरकार पूरी तरह कायम है, वह आंदोलन खत्म हुआ था। इसके परिणामस्वरूप 1967 के चुनाव में कांग्रेस का राज्य से सफाया हो गया और द्रमुक सत्ता में आ गई।

क्यों? महज दो साल पहले 1965 में तमिलनाडु में 'ऑफिशियल लैंग्वेज ऐक्ट-1963' लागू किया गया था, जिसके तहत हिंदी पढ़ना अनिवार्य था। इसके विरोध में छात्र सड़कों पर उतर आए थे। देखते-देखते आंदोलन इतना उग्र हो गया कि कई छात्रों ने अपनी जान दे दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के इस आश्वासन के बाद कि पंडित नेहरू ने हिंदी भाषा न थोपने का जो वादा किया था, उस पर सरकार पूरी तरह कायम है, वह आंदोलन खत्म हुआ था। इसके परिणामस्वरूप 1967 के चुनाव में कांग्रेस का राज्य से सफाया हो गया और द्रमुक सत्ता में आ गई।

ऐसा नहीं है कि अंग्रेजी का अभाव महज हिंदीभाषियों को सता रहा था। तब के सर्वाधिक हिंदीद्रोही प्रांत तमिलनाडु के के कामराज इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कांग्रेस में उनका दर्जा 'किंग मेकर' का था। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी उनकी मदद के बिना शीर्ष तक नहीं पहुंच सकते थे। 'कामराज प्लान' ने तमाम मंत्रियों की कुरसी छीन ली थी। उन्हें जब खुद सत्ता सम्हालने की सलाह दी गई, तो उनका जवाब था- 'मुझे न अंग्रेजी आती है, न हिंदी, मैं कैसे प्रधानमंत्री बन सकता हूं?' यह बात अलग है कि जिस 'त्रिभाषा फॉर्मूले' का दक्षिण में विरोध हुआ, उत्तर के तमाम राज्यों ने इसे बिना ना-नुकुर स्वीकार कर लिया। खुद मैंने इसी फॉर्मूले की मदद से तीन वर्ष बांग्ला पढ़ी। इसे मैं अपने जीवन की उपलब्धि मानता हूं।

फिर छात्र आंदोलन पर लौटता हूं। 'अंग्रेजी हटाओ' के हो-हंगामे को दस साल भी नहीं बीते थे कि जयप्रकाश नारायण सामने आ गए। उनके नेतृत्व की वजह से गुजरात और बिहार में फीस वृद्धि को लेकर हुए आंदोलनों ने नई शक्ल अख्तियार कर ली। उस समय यह नारा घर-घर में गूंज रहा था- 'संपूर्ण क्रांति अब नारा है, भावी इतिहास हमारा है'। आज के तमाम नेता उसी दौर में राजनीति में उतरे। क्या इनमें से एक ने भी जेपी के सपनों के साथ न्याय किया?

असम में भी इसी दशक में नया छात्र आंदोलन छिड़ा। असमी भाषा और अस्मिता को लेकर छिड़े इस आंदोलन ने वहां के सत्ता-सदन की चूलें हिला दी थीं। इसी का कमाल था कि अगले विधानसभा चुनाव में विद्यार्थियों की अगुवाई में बनी असम गण परिषद ने बहुमत अर्जित किया और सत्ता में आ गई। प्रफुल्ल कुमार महंत पहले ऐसे शख्स थे, जो छात्रावास से सीधे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। सत्ता में पहुंचकर उन्हें एहसास हुआ कि उनकी लड़ाई के मुद्दे महज भावना का उछाल थे। विधान और व्यवस्था की नजर में उनका कोई मोल नहीं। एक समीक्षक ने उनकी विवशता देख लिखा था, सरकारें हर मुद्दे पर अगर हमेशा सही नहीं होतीं, तो हमेशा गलत भी नहीं होतीं। यह सियासी जुमला हकीकत के कितना करीब था!

चाहूं तो ऐसे अनेक उदाहरण दे सकता हूं, पर आज की उबलती नौजवान पीढ़ी से सिर्फ इतनी गुजारिश है कि वे इस सत्य और तथ्य को कभी न बिसराएं कि राजनीति अंतत-सत्ता के लिए की जाती है और सत्ता मनुष्य के विचारों पर ग्रहण लगा देती है। यूरोपीय कहावत है- 'पावर करप्ट्स'। यह जरूरी नहीं है कि सिर्फ अवैध तरीके से धन कमाने वालों को ही भ्रष्टाचारी कहा जाए। ऐसे लोग, जो अपने सिद्धांतों-विचारों से समझौता करते हैं, ज्यादा खतरनाक होते हैं। 21वीं शती के इस प्रतिस्पर्द्धी विश्व में हमारे नौजवानों को अपने संघर्ष और मकसद के बीच तारतम्य बैठाना होगा। यहां सरकार से भी एक अपील। सिर्फ बल प्रयोग करके नौजवानों की भावनाओं को नहीं दबाया जा सकता। उनके साथ सहमति का रास्ता निकालना न केवल हुकूमत का दायित्व है, बल्कि समय की सबसे बड़ी मांग यही है। अच्छा होगा, इस आग को और फैलने से पहले रोक लिया जाए।

तब गांधी का पैगाम क्या था

भले ही पश्चिमी दिल्ली की एक मुख्य सड़क उनके नाम पर हो, लेकिन मेरा मानना है, बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि हकीम अजमल खान कौन थे। वह बहुत दुलारे हकीम थे, यूनानी-स्वदेशी दवाओं के जानकार। उनके मरीजों में हिंदू, मुस्लिम, अमीर, गरीब, मध्यवर्गीय, सब शामिल थे। अपनी हकीमी से अलग अजमल खान एक बड़े देशभक्त थे। वह आजीवन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य रहे और कुछ समय उसके अध्यक्ष भी। विद्वान और देशभक्त होने की दोहरी क्षमता के बल पर उन्होंने उस राष्ट्रवादी विश्वविद्यालय की स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी, जो आजकल खबरों में है। जब 1920 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना हुई थी, तब अजमल खान इसके पहले चांसलर नियुक्त हुए थे। मुश्किल शुरुआती सालों में उन्होंने जामिया का हर तरह से पोषण किया, लेकिन दिसंबर 1927 में 59 की उम्र में अचानक ही दुनिया को अलविदा कह गए। उनकी मौत से उनके करीबी दोस्त महात्मा गांधी भी हिल गए थे। बंबई में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा था, इस मोड़ पर उनकी मौत एक बहुत बड़ी क्षति है। हकीम अजमल खान भारत के सच्चे सेवकों में थे और हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए भी सबसे अनमोल इंसानों में एक थे।गांधी जानते थे कि हकीम के इंतकाल को उस जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शिद्दत से महसूस किया जाएगा, जो अभी भी एक बनता हुआ संस्थान है। इसलिए उन्होंने तत्काल एक पैगाम भेजा, जो जामिया के स्टाफ और छात्रों के बीच पढ़ा जाना था। अपने पैगाम में गांधी ने लिखा था, 'जाने वाले की आत्मा हमेशा हमारे साथ रहती है। हम जामिया को (हिंदू-मुस्लिम) एकता का जीवंत मंदिर बनाकर उनकी स्मृति को हमेशा ताजा रखेंगे। आपको उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। जामिया का अंत तब तक नहीं हो सकता, जब तक इसके प्रति प्रोफेसर और छात्र सच्चे हैं। मेरा आप सभी से वादा है, ईश्वर करे, जो भी वह देगा, इस संस्थान को बेहतर वित्तीय आधार देने के लिए मैं अपनी पूरी शक्ति लगा दूंगा।' गांधी ने अपना वादा निभाया। जामिया को चलाए रखने के लिए पैसे की कमी नहीं पड़ी। वाइस चांसलर जाकिर हुसैन और मोहम्मद मुजीब के नेतृत्व में विश्वविद्यालय चमक उठा। जामिया ने खुद को देश के एक सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में खड़ा किया। अब दिसंबर 2019 में हकीम अजमल खान के इंतकाल के 72 साल बाद जामिया ने फिर संकट का सामना किया, जब सीएए के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन ने पुलिस को कैंपस में घुसकर कार्रवाई के लिए उकसाया। वहां के वीडियो पूरे देश और दुनिया में वायरल हो गए। जामिया कैंपस पर दिल्ली पुलिस ने 15 दिसंबर को धावा बोला था। उसके दूसरे दिन सुबह एक साथी इतिहासकार से मुझे एक संदेश हासिल हुआ। छात्रों ने तो राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों में पहले भी भाग लिया था। उस इतिहासकार ने मुझसे पूछा, 'क्या 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन या आपातकाल के दौरान कभी किसी विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में सरकार द्वारा तोड़-फोड़ की गई थी?' मैंने जवाब में इनकार किया और कहा, इंदिरा गांधी और वायसराय अधिनायक थे, लेकिन वे किताबें पढ़ते थे। एक महान विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी पर इस तरह हुए हमले से देश को कोई आश्चर्य नहीं हुआ। हालांकि यह आश्चर्यजनक था कि इस घटना पर विरोध किस कदर भड़क उठा।

धनु राशि वालों के लिए शनि इस समय लग्न भाव में गोचर कर रहा है। धनु राशि पर साढ़ेसाती का प्रभाव पहले से ही है लेकिन साल 2020 में शनि इस राशि के दूसरे भाव में गोचर करेगा। दूसरा भाव धन भाव कहलाता है। धनु राशि के जातकों को इस समय में धन लाभ हो सकता है। लेकिन इनका अपने स्वास्थ्य पर अधिक खर्च हो सकता है।

धनु-राशि के लोगों को इस समय भवन आदि के निर्माण में परेशानी उत्पन्न होगी। इस राशि के लोगों को इस समय अपनी माता के स्वास्थ्य पर भी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। लाभ के लिए भी इस राशि के लोगों को अधिक मेहनत की करनी पड़ेगी।

मकर- राशि वालों के लिए शनि इस समय 12वें भाव में गोचर कर रहा है। मकर राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव पहले से ही है। लेकिन साल 2020 में शनि इसी राशि में गोचर कर रहा है जिसके अनुसार शनि मकर राशि के पहले भाव यानी लग्न भाव में गोचर करेगा।

इस राशि वालों के लिए शनि की साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू होगा जिसके अनुसार इन लोगों का अपने छोटे भाई-बहनों से मतभेद हो सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी इस समय में खराब हो सकता है और जीवनसाथी के साथ कलह भी रह सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करने की आवश्यकता पड़ेगी। जल्दबाजी में कोई काम न करें।

कुंभ- राशि के लिए शनि इस समय 11वें भाव में गोचर कर रहा है। लेकिन साल 2020 में शनि इन राशि वालों के 12वें भाव में गोचर करेगा जिसके अनुसार कुंभ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव शुरू हो जाएगा। शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव से इस राशि के वालों के खर्चों में अधिकता होगी।

इस राशि के लोगों की आर्थिक स्थिति भी इस समय में खराब हो सकती है, वहीं इन्हें शत्रु भी अधिक परेशान कर सकते हैं और इन्हें नौकरी में भी अधिक समस्या उत्पन्न हो सकती है। भाग्य का साथ इस समय इस राशि वालों को बिलकुल भी नहीं मिलेगा। इस समय कुंभ राशि वालों को संयम से काम लेने की आवश्यकता है। परिश्रम करते जाएंगे तो सफलता भी मिलती जाएगी।

मिथुन राशि- 24 जनवरी के बाद इस राशि पर शनि का ढैया शुरू हो रहा है। मिथुन राशि वालों के लिए शनि इस समय 7वें भाव में गोचर कर रहा है। लेकिन साल 2020 में शनि इस राशि वालों के 8वें भाव में गोचर करेगा। 8वें भाव को मृत्यु का भाव भी कहा जाता है।

तुला राशि-तुला राशि के लिए शनि इस समय तीसरे भाव में गोचर कर रहा है। लेकिन साल 2020 में शनि इस राशि वालों के लिए चौथे भाव में गोचर करेगा। चौथे भाव में शनि के गोचर से इन राशि के जातकों पर चतुर्थ की ढैया प्रारंभ हो जाएगी।

शेष 7 राशियों के लिए शनि का असर अलग-अलग रहेगा। मेष, वृषभ, कर्क, कन्या व वृश्चिक राशि के लिए शनि की स्थिति शुभ रहेगी। इन लोगों को शनि की वजह से लाभ मिल सकता है। सिंह और मीन राशि के लोगों को सावधान होकर काम करना होगा अन्यथा हानि हो सकती है।

मूल अधिकार को विस्तार देता फैसला

पवन दुग्गल

सांविधानिक हैसियत बदलने के बाद जम्मू-कश्मीर में लगाई गई पाबंदियों पर शुक्रवार को आया शीर्ष अदालत का फैसला दूरगामी महत्व रखता है। इसके निहितार्थ सिर्फ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए हैं। यह पहला ऐसा फैसला है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर इंटरनेट की भूमिका को पहचाना है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व किसी भी व्यवसाय के संचालन के लिए इंटरनेट के इस्तेमाल को मौलिक अधिकार का रूप दिया है। बेशक पूर्व में ऐसी बातें कही जाती रही हैं और संदर्भ के तौर पर यह जिक्र भी किया जाता रहा है, लेकिन आज से पहले ये बातें इतनी स्पष्ट रूप में हमारे सामने नहीं आई थीं, जबकि ये सभी को पता थीं। लिहाजा भारत की स्वतंत्रता के बाद लिखे जाने वाले इतिहास में शुक्रवार का फैसला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। यह फैसला मान्यता देता है कि इंटरनेट का न सिर्फ मोल और महत्व है, बल्कि यह मानव जीवन का केंद्र-बिंदु भी है। जैसे ही इंटरनेट के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाती है, लोगों के

मौलिक अधिकार प्रभावित होते हैं। अभिव्यक्ति की आजादी हमें संविधान के अनुच्छेद 19 से हासिल है, जबकि जीवन जीने का मौलिक अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत। ऐसे में, आज इंटरनेट ही एकमात्र ऐसा जरिया है, जो किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी ओहदे या स्थान पर हो, तुरंत एक अंतरराष्ट्रीय लेखक, प्रसारणकर्ता (ब्रॉडकास्टर) और हस्तांतरित करने वाला (ट्रांसमीटर) बना देता है, यानी विचारों की अभिव्यक्ति के लिए इंटरनेट से बेहतर कोई दूसरा माध्यम आज हमारे पास नहीं है। अब जबकि अदालत ने इंटरनेट को नई मान्यता दी है, तो कई सारी गुत्थियां सुलझ सकेंगी। हालांकि इसका यह मतलब भी नहीं है कि इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर हमें अबाध आजादी हासिल हो गई है। अब भी इसके इस्तेमाल पर मुनासिब प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसा संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत किया जा सकता है। जब भारत की संप्रभुता, अखंडता या सुरक्षा पर कोई आंच आए, पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते बिगड़ने की आशंका हो (सीमावर्ती इलाकों के लिए), व्यवस्था कायम करना हो, और सामाजिक मर्यादा व नैतिकता की रक्षा करनी हो, तो इंटरनेट का इस्तेमाल प्रतिबंधित किया जा सकता है।

तैयारी कर ली है

मिट्टी की स्याही लेकर उंगलियो की कलम बनाकर,
खुद के नए बूत को बनाने की फिर तैयारी कर ली है।
हवाये कितनी भी विपरीत दिशाओ में अब चल ले,
हमने हवाओ से भी लड़ने की तैयारी अब कर ली है।
तुफानो से डगमगा रही जो नैया,तो मांझी का इंतजार क्यों,
खुद मांझी बनकर अपनी नैया बचाने की तैयारी कर ली है।
कितनी भी आ जायें विपदाएँ जीवन मे,उन्हें मिटाने को
अब मैंने भगवान से भी लड़ने की तैयारी कर ली है।
उड़ने वाले परिंदो को बंद कर लो कितना भी पिंजरों में,
लें उड़ेंगे पिंजरों को,जब उन्होंने उड़ने की तैयारी कर ली है।
कोई भी कितनीं कोशिश कर ले,पर ना किसी को रोक सकेगा।
एक बार जब किसी ने भी आगे बढ़ने की तैयारी कर ली है।।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).

सपना चौधरी ने लाल साड़ी में दिखाई ऐसी अदाएं, तारीफ करते नहीं थक रहे फैन्स

नई दिल्ली। हरियाणा की डांसिंग क्वीन सपना चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी कई फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सपना ने अब अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। सपना ने इन फोटोज में रेड कलर की साड़ी पहनी है जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी के साथ सपना ने बड़े इयरिंग्स पहन रखे हैं। सपना का मेकअप भी बहुत ही लाइट है। सपना अब खुद को फिट रखने के लिए जिम जाती हैं। वो वर्कआउट करते हुए अपनी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। सपना ने अपना काफी वजन कम भी कर लिया है। अब वो पहले से कई ज्यादा फिट हो गई हैं। बता दें कि सपना चौधरी बिग बॉस के 11वें सीजन में आई थीं। इस सीजन में भले ही सपना चौधरी जीती नहीं, लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी इस शो से काफी बढ़ गई थी। सपना ने इसके बाद बॉलीवुड डेब्यू भी किया और इसके साथ ही उन्होंने अपना ट्रांसफॉर्मेशन भी किया। सपना अब पहले से काफी बदल गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

22 हजार की शराब के साथ दो दबोचे

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना पुलिस ने अवैध शराब ले जाते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक के कब्जे से 21 हजार एवं दूसरे से एक हजार रुपए कीमत की शराब जब्त की गई है। जानकारी के मुताबिक पुलिस को शुक्रवार की रात करीब साढ़े आठ बजे जरिए मुखबिर सूचना मिली कि भारौली रोड तिराहे के पास चार घर के पुरा पर शराब का अवैध व्यापार संचालित है। पुलिस ने दविश देकर बताए गए स्थान की घेराबंदी कर अवैध शराब की 6 पेटी जब्त कर लीं। साथ ही अजीत सिंह पुत्र संग्राम सिंह राजावत को गिरफ्तार कर लिया है। उधर अटेर रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास से सत्यभान उर्फ विनोद यादव पुत्र रामप्रकाश यादव निवासी रानी का ताल पुराना रेलवे स्टेशन के पास भिण्ड के कब्जे से करीब एक हजार रुपए कीमती देशी शराब के 18 क्वार्टर जब्त किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

अज्ञात ट्रेक्टर ने मारी टक्कर, युवक की मौत

भिण्ड,ब्यूरो। ऊमरी थाना क्षेत्र के ऊमरी भिण्ड रोड महाकाल ढावा के आगे पुलिया के पास अज्ञात ट्रेक्टर चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाकर युवक में टक्कर मार दी। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार युवक दिनेश पुत्र रामजीलाल जाटव उम्र 35 वर्ष निवासी धानुक का पुरा नयागांव शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात अपने घर जा रहा था, तभी अज्ञात ट्रेक्टर चालक ने ट्रेक्टर को तेजी व लापरवाही से चलाकर युवक में टक्कर मार दी। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच मृतक के शव को अन्तिम परीक्षण के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात ट्रेक्टर चालक के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

रंगदारी के चलते युवक के साथ मारपीट, मामला दर्ज

भिण्ड,ब्यूरो। मिहोना थाना क्षेत्र के आम रोड बिजली घर के पास रंगदारी के चलते एक युवक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार युवक शिवम पुत्र उपेन्द्र राजावत निवासी ररी थाना मिहोना शनिवार की सुबह अपने किसी काम से जा रहा था, तभी आम रोड पर स्थित बिजली घर के पास रंगदारी के चलते सुभाष, अभय निवासीगण मिहोना ने उसका रास्ता रोका और उसके साथ गाली-गलौंच करने लगा। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने फरियादी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। घटना की जानकारी फरियादी शिवम राजावत ने पुलिस को दी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से उक्त आरोपियों के विरुद्ध धारा 323, 294, 506, 341, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

हारजीत का दांव लगाते पांच दबोचे

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के रावतपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम टोला में आंगनबाड़ी भवन के पीछे जुआ खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार थाना पुलिस को शुक्रवार की शाम जरिए मुखबिर सूचना मिली कि क्षेत्र के ग्राम टोला में आंगनबाड़ी भवन के पीछे कुछ लोग ताश के पत्तों से हारजीत का दांव लगा रहे हैं। पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर बताए गए स्थान की घेराबंदी कर रविन्द्र पुत्र नाथूराम त्रिपाठी, प्रमोद प्रजापति पुत्र मंगली प्रजापति, रवि पुत्र कोकसिंह बाल्मीक, उमेश पुत्र मिजाजी बाल्मीक एवं रामशंकर पुत्र रमेश वंशकार निवासीगण ग्राम टोला को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1500 रुपए नगद एवं ताश की एक गड्डी जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपियों को थाने ले जाकर उनके विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

तीन दिवसीय कला महोत्सव संपन्न

दतिया ब्यूरो। भारतीय कलाकार संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कला महोत्सव का समापन में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कलाकार संघ के राष्ट्रीय सरंक्षक राहुल जोगी मौजूद रहे। जिसमें देश भर से आए 500 से अधिक विभिन्न विधाओं के कलाकारों ने भागीदारी की। कार्यक्रम संयोजक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर पेंटर द्वारा कलाकारों के लिए किये जा रहे इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की । कार्यक्रम का सफल संचालन रमाशंकर योगी ने किया। कार्यक्रम की आयोजक मंडल के सदस्य ग्यादीन रजक, रामकुमार मांझी, धर्मेंद्र गोस्वामी,राज जिगना,ग्याप्रसाद पेंटर, रोहित शायर, सुनील वंशकार, धर्मेंद्र मांझी, रिंकू शाक्य, रवि कुमार वरोह मौजूद रहे।

दो पूर्व सरपंचों के खिलाफजेल सुपुर्द वारंट

दतिया ब्यूरो। विहित प्राधिकारी धारा 92 एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया ने ग्राम पंचायत टोडापहाण की पूर्व सरपंच श्रीमती मुन्नी देवी यादव द्वारा किचिन शैड निर्माण एवं हैण्डपंप खनन करवाने हेतु आहरण की गई 99 हजार रूपये की राशि से कार्य नहीं कराने और उक्त राशि में से अपने हिस्से की बसूली योग्य राशि 49 हजार 500 रूपये ब्याज सहित नाहीं राशि जमा कराने के कारण पूर्व सरपंच श्रीमती मुन्नी यादव के विरूद्ध मध्य प्रदेश पचांयत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 की उपधारा (2) के अधीन जेल सुपुर्द का वारंट जारी करते हुए उनको सिविल कारागार में लेने के लिए जिला जेल दतिया के भारसाधक अधिकारी से कहा है। इसी तरह ग्राम पंचायत चरबरा के पूर्व सरपंच मलखान सिंह द्वारा ग्राम पालीनूर, बदनपुर, डाडा, मंगलपुर को वर्ष 2018 से 2010 तक प्रति किचिन शैड के मान से चार किचिन शैड की कुल राशि 2 लाख 40 हजार निर्माण कराने हेतु प्रदाय की गई राशि से कार्य नहीं कराने और उक्त राशि में से अपने हिस्से की बसूली योग्य राशि 1 लाख 20 हजार रूपये ब्याज सहित जमा नहीं कराने के कारण पूर्व सरपंच मलखान सिंह के विरूद्ध मध्य प्रदेश पचांयत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 की उपधारा (2) के अधीन जेल सुपुर्द का वारंट जारी करते हुए उनको सिविल कारागार में लेने के लिए जिला जेल दतिया के भारसाधक अधिकारी से कहा है।

परीक्षा केन्द्रों पर चिकित्सक मौजूद रहेंगे

दतिया ब्यूरो। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2020 का आयोजन 12 जनवरी को किया गया है। दो सत्रों में आयोजित होने वाली उपरोक्त परीक्षा केन्द्रों पर मेडीकल किट सहित डाक्टरों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुपालन में परीक्षा केन्द्रों 12 जनवरी की प्रात: आठ बजे से परीक्षा समाप्ति तक मेडीकल किट सहित डॉक्टर व एम्बुलेंस उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

जनसेवा के लिए राजनीति में रखा था कदम: डॉ.गोविंद सिंह

दबोह नप के 2.95 करोड़ के विकास कार्यो का हुआ लोकार्पण व शिलान्यास

दबोह। नगर परिषद कार्यालय दबोह में कार्यकाल पूर्ण होंने पर 2.95 करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण व शिलान्यास हुआ।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन व सहकारिता मंत्री डॉ गोविंद सिंह मौजूद रहे।वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में लहार ब्लॉक कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।कार्यक्रम में सर्वप्रथम विधिवत पूजा अर्चना कर करोड़ो के विकास कार्यो का लोकार्पण व शिलान्यास मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन व सहकारिता मंत्री डॉ गोविंद सिंह के कर कमलों से किया गया।जिसके बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी एनआर खेंगर के द्वारा नगर में प्रस्तावित नव निर्माणाधीन विकास कार्यो की जानकारी जनता को गिनाई गई।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने मुख्य अतिथि की आसंधि से सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जो नगर परिषद दबोह के द्वारा विकास कार्यो का शिलान्यास किया आशा करता हूँ उन कार्यो को निर्धारित समय मे पूर्ण किया जायेगा परंतु दबोह के लिए नगर परिषद से मुझे जिस विकास की अपेक्षा थी वह पूर्ण रूप से अभी भी नही हो पाया है लेकिन फिर भी जनता के लिए को हो सकेगा वो मैं करूँगा।साथ ही उन्होंने कहा कि समाज सेवा के लिए ही मैंने राजनीति में कदम रखा और जबतक शरीर में जान है तब तक समाज के साथ गरीबो का काम करता रहूंगा मैं अपने राजनीतिक जीवन में अपना घर परिवार,नाते,रिस्तेदारो को नही देख पाया मैं समाज के लिए 18 से 20 घण्टे काम करता हूं उन्होंने आगे कहा कि लहार के साथ दबोह का विकास करना मेरी प्राथमिकता है जिसमे कोई कोर कसर बांकी नही रहेगी।मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि जब कोई व्यक्ति बाहर से दबोह में प्रवेश करे तो उन्हें लगे कि मैं शहर में आ गया हूं।प्रदेश में आर्थिक समस्या आ रही हैं फिर भी मैं विकास कार्यो के लिए पैसों की कमी नही आने दूँगा।वहीं उन्होंने कहा कि चुनाव होने मे अधिक समय लगता है तो प्रशासक कोई भी बैठ जाये लेकिन विकास दबोह की जनता के हिसाब से ही किया जायेगा मैं हमेशा जनता के साथ था साथ ही रहूँगा मैं अगली बार चुनाव मे हिस्सा न भी लू तो क्या हुआ परंतु जनसेवा व विकास के लिए सदैव जनता के साथ खड़ा रहूँगा।सरकार के इन चार बर्षो में मुझे दबोह को एक ग्रीन व स्मार्ट सिटी बनाना है जिसमे लहार का पहला नम्बर व दबोह का दूसरा नम्बर है।कार्यक्रम के पश्चात सहकारिता मंत्री गोविंद सिंह ने नवीन बस स्टैंड व सी.सी.रोड का अवलोकन किया और उपस्थित नगर पालिका अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष रूपनारायण खटीक,उपाध्यक्ष रफीक खान एवं समस्त पार्षद गण के साथ डॉ.ओपी सिंह, राजेन्द्र खेमरिया, संजय सिंह गुर्जर, जयनारायण शर्मा, जयप्रकाश सर्राफ, शम्भूदयाल, विनय बिलैया, कारिया, कल्याण सिंह कौरव, अतीक खान, शिवकुमार गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।वहीं कार्यक्रम के अंत मे आभार व्यक्त अध्यक्ष रूपनारायण खटीक ने किया।वहीं मंच का संचालन शिवनारायण दुबे ने किया।

सरकारी भूमि पर हो अतिक्रमण तो हटा लें- बीते रोज नगर में जो अतिक्रमण हटाओ मुहिम चलाई गई थी उस पर डॉ गोविंद सिंह ने अपने उदबोधन मे स्पष्ट रूप से कहा कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हो तो वो व्यक्ति चिन्ह लगते ही अपना अतिक्रमण स्वयं हटा लें क्योंकि यदि प्रशासन के द्वारा उसे हटाया जाता है तो आपका अधिक नुकसान हो सकता है इसमें मैं भी कुछ नही कर सकता अतिक्रमण हटाना शासन प्रशासन का कार्य है।उन्होंने कहा है कि मैने एसडीएम लहार को निर्देशित किया है कि अतिक्रमण हटाने के लिए जनता को समय दे समय उपरांत ही प्रशासन ही प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाया जाए और जनता को परेशान न करें।

सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह के पिता

स्व.मथुरा सिंह की स्मृति में क्रिकेट टूर्नामेंट आज से

(मोहित गोस्वामी)

दबोह सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह के स्व.पिता मथुरा सिंह जी वैशपुरा की पुण्य स्मृति में आयोजित होने

टूर्नामेंट शुभारंभ में ऊर्जा मंत्री प्रियव्रत सिंह रहेंगे मौजूद

दबोह में 14 वे अंतर्राज्जीय क्रिकेट महाकुंभ का आयोजन

13 जनबरी से 19 जनवरी तक रीवा व चम्बल डिवीजन के बीच होगा पहला मैच

वाले 14 वें अंतर्राज्जीय क्रिकेट टूर्नामेंट महाकुंभ का आयोजन दबोह शासकीय इण्टर कॉलेज ग्राउण्ड दबोह पर आज दिनांक 13 जनबरी 2020 से 19 जनवरी 2020 तक खेला जाएगा।आज का पहला मैच रीवा व चम्बल डिवीजन के बीच खेला जाएगा।टूर्नामेंट को लेकर तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं।आयोजित होंने बाले 14 बे अंतराज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट में फाइनल में विजेता टीम को 1 लाख 51 हजार रुपये एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता

टीम को 71000 हजार रुपये एवं ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया जायेगा।मैन ऑफ दि सीरीज़ 11000/- रु.का नगद पुरुस्कार व फाइनल में मेंन ऑफ द मैच 5100 रु.से सम्मानित किया जाएगा।प्रत्येक लीग मैच 25-25 ओवर का खेला जाएगा जिसमे निम्न टीमें भाग लेंगी जिसमे जबलपुर, मलिक स्पोर्टस दिल्ली, चम्बल डिवीज़न, एलबीएस मुंबई, रीवा, झाँसी रेल्वे, इंदौर आदि टीमे भाग लेंगी।क्रिकेट का यह महाकुंभ मुकाबला शासकीय इंटर कॉलेज ग्राउंड पर होगा।यह जानकारी मथुरा सिंह फाउंडेशन समिति के सचिव चौधरी हाकिम सिंह के द्वारा दी गई।फाउंडेशन समिति में अध्यक्ष चौधरी रमा शंकर सिंह,समिति उपाध्यक्ष राम कुमार सिंह गुर्जर पूर्व मंडी अध्यक्ष,समिति सचिव चौधरी हाकिम सिंह,सह सचिव रूपनारायण खटीक अध्यक्ष नगर परिषद दबोह) सरंक्षक नाज़िम खान,फाउंडेशन समिति के कोषाध्यक्ष रियाज़ खान आदि शामिल है।

चम्बल कमिश्नर श्रीमती तिवारी ने

रेमीडियल मैराथन कक्षाओं में पहुंचकर छात्राओं का पढ़ाया

मुरैना। चम्बल संभाग की कमिश्नर श्रीमती रेनू तिवारी के निर्देश पर शासकीय लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा. विद्यालय क्रमांक-2 में कक्षा 10वी की कमजोर छात्राओं के लिये चलाई जा रही रेमीडियल मैराथन कक्षाओं में शनिवार को पहुंचकर विभिन्न विषयों में छात्राओं को पढ़ाया। कमिश्नर श्रीमती रेनू तिवारी ने लगभग डेढ़ घण्टे से अधिक समय में दो कक्षाओं की छात्राओं से विभिन्न विषयों के प्रश्नों को पूछा साथ ही पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी इतनी सरलता निपुणता के साथ दिये कि छात्राओं को पूरी तरह से समझ में आ गये। कमिश्नर श्रीमती तिवारी ने छात्राओं को समझाईश देते हुये कहा कि यह रेमीडियल मैराथन कक्षायें आपकी पढ़ाई के लिये अन्तिम अवसर है। इस अन्तिम अवसर को मत खो देना।

दिव्यांगों का परीक्षण शिविर आज प्रतापपुरा सर्किट हाउस पर

भिण्ड,ब्यूरो। एल्मिको के माध्यम से जिले में दिव्यांगजनो के लिए पात्रता परीक्षण शिविर नि:शुल्क कृत्रिम अंग/ सहायक उपकरणों का वितरण के लिए विकास खण्डों में 6 जनवरी से 14 जनवरी 2020 तक परीक्षण शिविरो का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आईएस ठाकुर ने बताया कि परीक्षण शिविरों का आयोजन जनपद पंचायत अटेर अन्तर्गत प्रतापपुरा सर्किट हाउस परिसर में 12 जनवरी को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत भिण्ड में 13 जनवरी को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक एवं जनपद पंचायत भिण्ड अन्तर्गत नगर पालिका भिण्ड में 14 जनवरी 2020 को प्रात:11 बजे से शिविर समाप्ति तक परीक्षण शिविरो का आयोजन किया गया है। उक्त शिविरो में दिव्यांगजनो का परीक्षण किया जाकर पात्रता अनुसार नि:शुल्क कृत्रिम अंग/सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा।

दबोह बिकलांग शिविर में सेंकड़ों लोगों ने कराया परीक्षण

रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

दबोह मध्यप्रदेश शासन के आदेश अनुसार भिंड कलेक्टर छोटे सिंह के आव्हान पर दबोह नगर परिषद द्वारा नगरपरिषद कर्यालय में भव्य बिकलांग शिविर का आयोजन किया गया।जिसमे काफी संख्या में बिकलांग लोगो ने भाग लेकर अपने शरीर का परीक्षण करवाया।बिकलांग शिविर मे भिंड से पधारी विशेषज्ञो की टीम के द्वारा कुल 76 लोग लाभान्वित हुए हैं।जिस दौरान लोगो सर्टिफिकेट भी दिए गए।यहां बता दें कि पूर्व में भी नगर परिषद प्रांगण में बिकलांग शिविर का आयोजन किया जा चुका है जिसमे भी कई लोग अपना परीक्षण करवा चुके थे। इस मौके पर मुख्यनगरपालिका अधिकारी एनआर खेंगर,नगरपंचायत अध्यक्ष रूपनारायण खटीक,नगरपंचायत उपाध्यक्ष रफीक खान व पार्षदगण मौजूद रहे। समस्त जानकारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर के द्वारा दी गई।

अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी, दतिया कला महोत्सव संपन्न

दतिया(अर्पित गुप्ता)। पीतांबरा मां की पावन नगरी दतिया में भारतीय कलाकार संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कला महोत्सव संपन्न हो गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कलाकार संघ के राष्ट्रीय सरंक्षक राहुल जोगी जी मौजूद रहे। जिसमें देश भर से आए 500 से अधिक विभिन्न विधाओं के कलाकारों ने भागीदारी की। कार्यक्रम संयोजक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर पेंटर जी के कलाकारों के लिए किये जा रहे इस सराहनीय कार्य की हर जगह प्रसंशा की जा रही है। भारतीय कलाकार संघ के मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी शिवम् यादव टोड़ा ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिवस संगीत संध्या का आयोजन किया गया जिसमें पूरे देश से आये गायक कलाकारों ने अपना हुनर आजमाया। द्वितीय दिवस नृत्य एवं साहित्य की प्रतिभाओं को मौका मिला। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में पारंगत कलाकारों में भोजपुरी एक्टर सूरज सम्राट बिहार, बॉलीवुड सिंगर प्रियंका मौर्या मुबंई, अभिनेता आरिफ

शहडोली मुंबई, निर्देशक विकास सुमन यादव बिहार, अभिनेता सचिन गोस्वामी मुंबई के साथ कलाकार संघ के आर्टिस्ट पीयूष श्रीवास्तव, आर्टिस्ट उत्कर्ष पांडेय राष्ट्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया। विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ कार्यशैली के लिए बुंदेली एक्टर हिमालय यादव छतरपुर,एक्टर संजू शबनम छतरपुर, कछू केवट (बुंदेली लोक गायन) शिवपुरी ,दिल शेर दिल (शायर) दतिया, महेश जंगम (आर्टिस्ट) उमरिया, राजा परिहार (पर्यावरण प्रेमी)दिल्ली, महिमा राजपूत (सिंगर) करैरा, अनुष्का श्रीवास्तव (सिंगर) करैरा को मध्य प्रदेश गौरव सम्मान से नवाजा गया। वही आईफा अवार्ड से आर्टिस्ट सलिल चौहान झांसी,अशोक सोनवानी मंडला, रंजीत यादव डिंडोरी, जितेंद्र वंशकार टीकमगढ़, राहुल वर्मा जेर, मनीषा अग्रवाल कोरबा ,मुस्तकीम जालौन , पत्रकार नरेंद्र तिवारी करैरा, विशाल जालौन, अजय आर्ट जालौन, अवधेश नामदेव निवाड़ी, को सम्मानित किया। वहीं देश-विदेश से पधारे हुए कलाकारों में दिनेश जांगिड़ हरियाणा ,दुर्गेश आर्टिस्ट झांसी धर्मेंद्र कुशवाह, श्याम आर्ट छत्तीसगढ़, राजीव कुमार ,प्रकाश जाट जबलपुर,विकास कोपरे मंडला, राजेश सिवनी ,जीजा नवगिरे, ललित बिसरवाल, राजकुमार सूर्यवंशी ,मनीषा, सुनील मालवीय जबलपुर, किशोर रावत, अरविंद शर्मा हरियाणा ,राजेश सालुंके हरदा , पालन आर्ट उत्तर प्रदेश सहित पधारे हुए सभी कलाकारों को उनकी कार्यकुशलता के आधार पर राजा रवि वर्मा अवार्ड 2020 से सम्मानित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन रमाशंकर योगी ने किया- कार्यक्रम की आयोजक मंडल के सदस्य ग्यादीन रजक, रामकुमार मांझी, धर्मेंद्र गोस्वामी,राज जिगना,ग्याप्रसाद पेंटर, रोहित शायर, सुनील वंशकार, धर्मेंद्र मांझी, रिंकू शाक्य, रवि कुमार वरोह मौजूद रहे।।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

पुष्पांजली टुडे

1. कलर विज्ञापन रेट:-

क्र	पेज	रेट
1	पहला पेज	20,000
2	लास्ट पेज	20,000
4	अन्दर का फुल पेज	15,000
5	हाप पेज	8,000
6	चौथाई पेज	4,000
7	अन्दर पेज पर पट्टी	3,000
8	विजीटिंग कार्ड साईज	2,000

2. Black & Withe विज्ञापन रेट :-

क्र	पेज	रेट
1	फुल पेज	10,000
2	हाप पेज	6,000
3	चौथाई पेज	3,000
4	अन्दर पेज पर पट्टी	1500
5	विजीटिंग कार्ड	1000

3. पेपर विज्ञापन रेट :-

क्र	पेज	रेट
1	5 X 9 = 45 स्क.से.मी.	675
2	9 X 9 = 81 स्क.से.मी.	1215
3	10 X 20 = 200 स्क.से.मी.	1,000
4	Hap Page	12,000
5	Full Page	20,000

निःशुल्क बच्चे के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह

श्रद्धांजलि, शोक संदेश, उठावनी

हस्तशिल्प कला के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं : मंत्री इमरती देवी

ग्वालियर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि हस्तशिल्प कला के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनायें हैं। मेले में आने वाले सैलानियों को गाँधी शिल्प बाजार के माध्यम से जहां विभिन्न प्रांतों के शिल्पियों की कलाकृतयां देखने व खरीदने का अवसर मिलेगा, वहीं

गाँधी शिल्प बाजार में देश के विभिन्न प्रांतों की कलाकृतियों को सैलानियों देख एवं खरीद सकेंगे

इससे स्थानीय महिलायें भी हस्त कला के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकेंगीं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी रविवार को मेला परिसर में विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार नईदिल्ली एवं संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित गाँधी शिल्प बाजार के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने की। मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने श्रीगणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर मेले का शुभारंभ करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि शिल्पियों को लगातार वर्ष भर रोजगार मिले, इसके लिए शिल्प बाजार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिल्प बाजार के माध्यम से सैलानियों को

प्रदेश एवं देश के शिल्पकारों द्वारा निर्मित कलाकृतियां जहां देखने को मिलेंगीं वहीं वे इसे खरीद भी सकेंगे। उन्होंने कहा कि इन शिल्पियों से ज्ञान हासिल कर घरेलू महिलायें भी ऐसी कलाकृतियां बनायें जिससे रोजगार मिलने के साथ-साथ ग्वालियर का नाम भी रोशन हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने कहा कि शिल्प बाजार शिल्पियों के साथ-साथ सैलानियों के लिए भी नए वर्ष में नए सुखद अनुभव लेकर आया है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर का व्यापार मेला 100 वर्ष पुराना है और इस मेले में देश के विभिन्न राज्यों के शिल्पी एवं कलाकार अपनी कलाकृतियां लाकर यहां विक्रय करते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रांतों से आए शिल्पियों से आग्रह करते हुए कहा कि इस शिल्प बाजार को और वैभव मिले, इसके लिए अपने सुझाव भी दें। जिससे आने वाले समय में शिल्प बाजार और ऊँचाईयां छू सके। उन्होंने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से ऑटोमोबाइल सेक्टर में रोड़ टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट प्राप्त हो रही है। कार्यक्रम के शुरू में शिल्प बाजार के प्रभारी श्री डी सी तिवारी ने बताया कि शिल्प बाजार में 16 राज्यों के शिल्पियों द्वारा अपनी कलाकृतियां लाई गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष भर चलने वाले शिल्प बाजार के माध्यम से 24 जनवरी से 02 फरवरी तक आदिवासी महोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें देशभर के आदिवासी शिल्पी भाग लेंगे। 4 फरवरी से 23 फरवरी तक अखिल भारतीय दस्तकारी मेले का आयोजन होगा। मार्च माह में हथकरघा कार्यालय द्वारा संभागीय मेले का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि गाँधी शिल्प मेले में 70 शिल्पी भाग ले रहे हैं, जिसमें अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अधिकांश शिल्पी हैं। इस मौके पर उप संचालक हथकरघा श्री सुधीर व्यास, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के सहायक निदेशक श्री पुष्प राजन, भोपाल से श्री के सी नागर, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सहायक संचालक श्री आर बी कोरी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सभी ने सामूहिक रूप से किया सूर्य नमस्कार

ग्वालियर। स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर सभी विद्यालयो, महाविद्यालयो, शैक्षणिक संस्थाओं, पंचायतों तथा आश्रम शालाओं में रविवार को सुबह 9 से 10:30 बजे तक सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक मुन्नाालाल गोयल मौजूद रहे जहां स्कूली बच्चों के साथ ही तमाम आला अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे कार्यक्रम में राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन व स्वामी विवेकानंद की रिकार्डेड वाणी का प्रसारण किया गया।

स्वामी विवेकानंद जंयती पर गौसेवकों का किया सम्मान

स्वामी विवेकानंद की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर मॉर्क गौशाला में गौ सेवकों और समाजसेवियों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में एडीजी राजाबाबू सिंह एवं विधायक मुन्नालाल गोयल व संभागायुक्त एमबी ओझा आदि उपस्थित थे।सम्मान समारोह में गौ सेवकों के साथ समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। इसके साथ ही गौ सेवा से जुड़ी प्लास्टिक मुक्त भारत की प्रदर्शनी का भी आयोजन

विवेकानंद सेवा समति ने किया माल्यापण

स्वामी विवेकानंद सेवा समिति द्वारा रविवार की सुबह थाटीपुर चैराहा स्थित स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इससे पूर्व दूध, दही, घी, शक्कर, व शहर से प्रतिमा का अभिषेक किया गया। साथ ही चेतना रैली भी निकाली गई।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई लोक सेवा आयोग की परीक्षा

ग्वालियर। शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में आयोजित हुई एमपी पीएससी प्री परीक्षा को दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2.15 से 4.15 तक आयोजित हुई। ग्वालियर में 64 परीक्षा केंद्र बनाये गये थे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा आयोजित की गई, संभागीय पर्यवेक्षक के रुप में पूर्व आईएएस अधिकारी अखिलेंद्र अर्जरिया और पर्यवेक्षक शिव कुमार गुप्ता को बनाया गया था। इनकी देखरेख में परीक्षा आयोजित कराई गयी। परीक्षा में करीब 30 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल हुये।

जेसीआई प्रियदर्शिनी की चार्टर नाइट संपन्न

ग्वालियर। जेसीआई प्रियदर्शिनी का मूलमंत्र है ग्लोबल लीडरशिप ऑफ यंग एक्टिव सिटीजन यानी सक्रिय युवाओं को वैश्विक नेतृत्व की क्षमता प्रदान करना। जैसा कि मैंने स्पष्ट किया है,क्षमता हमें सेवा से मिलती है और मेरा प्रयास रहेगा कि मैं सभी प्रियदर्शिनियों को समाज और खास तौर पर नारी-जगत की सेवा के प्रकल्पों में जुटे रहने की प्रेरणा देती रहूंगी। जैसाकि गांधीजी ने कहा था, हर परिवर्तन की शुरुआत अपने आप से होती है। अत~मैं स्वयं इस प्रेरणा पर चलती रहूं, यह मेरा अथक प्रयास रहेगा। हमने इस वर्ष के लिए अपना एक मोटो एक सूत्र वाक्य तय किया है ...इमैन्सपेटिड वूमैन यानी मुक्त नारी। यानी मुक्त नारी की थीम महिलाओं को सशक्त करने की थीम है।

चाट व्यवसायी के बैग से 1.80 लाख पार

ग्वालियर। पड़ाव थाना क्षेत्र के डीडी माल के पास आटो से जा रहे एक चाट के व्यवसायी से आटो चालक ने अपने दो साथियों से मिलकर 1.80 लाख रूपये पार कर दिये। घटना का पता चलते ही व्यवसायी थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने व्यवसायी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पड़ाव थाना पुलिस ने बताया कि दतिया निवासी मुकेश कुशवाह पुत्र नारायण कुशवाह पेशे से व्यवसायी है और उसका पंजाब मं चाट का काम है। बीते रोज वह पंजाब से अपने घर देने के लिये 1.80 लाख रूपये लेकर देने आ रहा था। रेलवे स्टेशन पर पहंचने

के बाद वह दतिया के लिये बस पकड़ने के लिये निकले थे। अभी वह स्टेशन के बाहर पहुंचे ही थे कि तभी एक आटो आया और उससे पूछा कहा जाना है तो उसने बस स्टैण्ड बताया। इस पर आटो चालक ने उसे बस स्टैण्ड के लिये बिठा लिया। आटो में दो युवक पहले से ही बैठे हुये थे। बस स्टैण्ड पहुंचने के बाद आटो में सवार दोनों युवकों ने उससे रेलवे स्टेशन पर काम की कहते हुये जल्दी ले चलने को कहा। आटो जाने के बाद जब उसने बैग चेक किया तो बैग में रखे एक लाख अस्सी हजार रूपये गायब थे। मामले का पता चलते ही वह थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की।

ठेकेदार के घर से चोरों ने एक लाख समेटा

ग्वालियर। माधौगंज थाना क्षेत्र लाला का बाजार निवासी मनोज बाजवानी पुत्र हेमनदास बाजवानी ठेकेदार है और बिजली विभाग के ठेकेदार है और उसके घर पर निर्माण का काम चल रहा है। बीते रोज छत के रास्ते आये चोर उनके घर से चालीस हजार रूपये नगदी के साथ ही करीब डेढ़ तोला वजनी सोने के जेवर तथा अन्य सामान पार कर ले गये। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

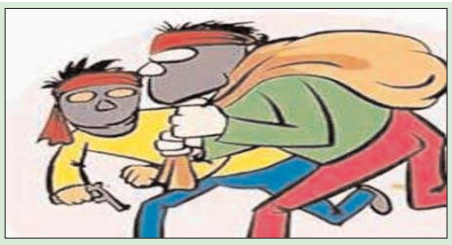

Tomar Ta Associates
ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।
TOMAR ASSOCIATES
प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें
मूलभूत सुविधाऐं
कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री बॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।
मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।
T&CP APPROVE FORM-4
बुकिंग मात्र 25,000/- से
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

TOMAR ASSOCIATES
सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।
सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें। साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।
Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं
मयंक कुमार खत्री
शिवपुरी पत्रकार

VISION 2030
अब अपनी पढाई को दो रफ्तार
*SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES
फ्री में आप हमारा App "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते हैं
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बढ़ाने के लिये सम्पर्क कर सकते हैं
Vision 2030
फ्रेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करें और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करें
HOME TUITION
Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA/
संपर्क: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर 9691937250

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478